“और मैंने एक बड़ा सफेद सिंहासन देखा, और उस पर बैठा हुआ वह जिसे मैं देख रहा था। उसकी उपस्थिति से आकाश और पृथ्वी भाग गए, और उनके लिए कोई स्थान न पाया गया। और मैंने मृतकों को, बड़े और छोटे, सिंहासन के सामने खड़ा देखा, और किताबें खोली गईं। फिर एक अन्य किताब खोली गई, जो जीवन की किताब है। और मृतकों का न्याय किया गया जो किताबों में लिखा था, उनके कार्यों के अनुसार। और समुद्र ने अपने अंदर के मृतकों को बाहर किया, मृत्यु और हड्डेस ने अपने अंदर के मृतकों को बाहर किया, और उन्हें उनके कर्मों के अनुसार न्याय दिया गया। फिर मृत्यु और हड्डेस को आग की झील में फेंक दिया गया। यह दूसरी मृत्यु, आग की झील है। और यदि किसी का नाम जीवन की किताब में नहीं पाया गया, उसे आग की झील में फेंक दिया गया।”
— प्रकाशितवाक्य 20:11–15, ESV

अंतिम और सार्वभौमिक न्याय

यह न्याय महान श्वेत सिंहासन न्याय के रूप में जाना जाता है। यह उन सभी अधर्मियों के लिए अंतिम दिव्य न्याय प्रक्रिया है जिन्होंने पूरे इतिहास में परमेश्वर को अस्वीकार किया और प्रथम पुनरुत्थान में भाग नहीं लिया (प्रकाशितवाक्य 20:5–6)। यह न्याय निष्पक्ष और व्यापक है — बड़े और छोटे सभी के लिए। कोई भी इससे मुक्त नहीं है — राजा, किसान, धनी, गरीब, युवा, बूढ़े — सभी परमेश्वर के सामने खड़े होंगे।

इस दृश्य में, प्रकटकर्ता योहन नोट करते हैं कि मृतक तीन अलग-अलग स्रोतों से आते हैं:

1. समुद्र
2. मृत्यु
3. हड्डेस

1. “समुद्र ने अपने अंदर के मृतकों को बाहर किया” — इसका अर्थ क्या है?

बाइबिल में समुद्र अक्सर बेचैन राष्ट्रों और दुनिया की अज्ञात गहराईयों का प्रतिनिधित्व करता है। (प्रकाशितवाक्य 17:15) में “पानी” का प्रतीक “लोगों और जनसमूहों और राष्ट्रों और भाषाओं” के लिए किया गया है।
“समुद्र से आने वाले मृतक” वे अधर्मी मृतक हैं जो प्राकृतिक मृत्यु के द्वारा मरे — आदम के समय से लेकर चर्च के उठाए जाने तक, सभी राष्ट्रों और भाषाओं में। ये वे लोग हैं जिन्होंने विश्वास नहीं किया और आध्यात्मिक “संसार के समुद्र” में खो गए।

आध्यात्मिक रूप से, यह वाक्य हमें आश्वस्त करता है कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु कैसे या कहाँ हुई, चाहे समुद्र में डूबे हों, कब्र में दबे हों, या समय द्वारा भुला दिए गए हों, परमेश्वर उन्हें न्याय के लिए पुनर्जीवित करेंगे। कोई आत्मा दिव्य न्याय से बच नहीं पाएगी।

2. “मृत्यु और हड्डेस ने अपने अंदर के मृतकों को बाहर किया” — ये कौन हैं?

चर्च के उठाए जाने के बाद, बाइबिल सिखाती है कि पृथ्वी पर अभूतपूर्व पीड़ा का समय आएगा — महान त्रासदी। इस समय, जिसे एन्टिक्रिस्ट का राज्य कहा जाता है (प्रकाशितवाक्य 13), कई लोग युद्ध, अकाल, महामारी और उत्पीड़न से मरेंगे, विशेष रूप से जो जानवर के चिह्न को अस्वीकार करेंगे (प्रकाशितवाक्य 13:16–18)।

प्रकाशितवाक्य 6:8 में पीले घोड़े का वर्णन है:

“और मैं देखा, और देखो, एक पीला घोड़ा! और उसके सवार का नाम मृत्यु था, और हड्डेस उसके पीछे चला। उन्हें पृथ्वी के एक-चौथाई भाग पर अधिकार दिया गया, ताकि वे तलवार, अकाल, महामारी
और धरती के जंगली जानवरों से मार सकें।”

यहाँ मृत्यु और हड्डेस विनाश के एजेंट के रूप में व्यक्त किए गए हैं। यह केवल जीवन की शारीरिक समाप्ति का प्रतिनिधित्व नहीं करता बल्कि आत्माओं का अस्थायी धारण स्थल है जो न्याय की प्रतीक्षा कर रही हैं। “हड्डेस” अक्सर मृतकों के निवास स्थान के रूप में अनुवादित होता है — अधर्मी आत्माओं की अंतरिम स्थिति। यह अंतिम नर्क (जिहन्नम) नहीं है, बल्कि वह स्थान है

जहाँ आत्माएँ अंतिम न्याय की प्रतीक्षा करती हैं।

इसलिए, त्रासदी काल में मरने वाले — विशेष रूप से परमेश्वर के न्याय और एन्टिक्रिस्ट की अत्याचार के दौरान — उन्हें मृत्यु और हड्डेस द्वारा धारण मृतक कहा जाता है। इन्हें भी पुनर्जीवित कर न्याय किया जाएगा।

ये समूह अलग क्यों बताए गए हैं?

इस विभाजन से यह स्पष्ट होता है कि कोई पापी न्याय से बचा नहीं। चाहे कोई प्राचीन समय में मरा हो, आधुनिक युद्ध में नष्ट हुआ हो, समुद्र में डूबा हो, या त्रासदी में मारा गया हो — हर व्यक्ति उठाया जाएगा और जवाबदेह ठहराया जाएगा।
कोई भी परमेश्वर के न्याय से शरण नहीं पाएगा। प्रत्येक अधर्मी आत्मा को “जैसा उन्होंने किया वैसा” न्याय मिलेगा (पद 13), और जिनका नाम जीवन की किताब में नहीं है — जो उद्धार प्राप्तियों का दिव्य पंजीकरण है — उन्हें अग्नि की झील में फेंक दिया जाएगा, जो दूसरी मृत्यु है (पद 14–15)।

पश्चाताप की आवश्यकता

मित्र, परमेश्वर का न्याय मिथक नहीं है — यह अंतिम, अपरिवर्तनीय और भयानक है। एक बार मृत्यु के बाद दूसरा अवसर नहीं है (इब्रानियों 9:27)। हड्डेस में जो लोग हैं, वे पहले ही

यातना का अनुभव कर रहे हैं (लूका 16:23–24), इस अंतिम दंड की प्रतीक्षा में।

आज भी आपके पास अवसर है। यदि आप जीवित हैं, तो परमेश्वर की कृपा अभी भी उपलब्ध है। अपने पापों से पश्चाताप करें, संसार से दूर रहें, और येशु मसीह पर विश्वास करें, जो अकेले आपको आने वाले क्रोध से बचा सकते हैं।

“यहोवा को तब खोजो जब वह मिल सके; उसे पुकारो जब वह नज़दीक
हो।” — यशायाह 55:6

राप्चर कभी भी हो सकता है। संकेत पहले ही पूरे हो चुके हैं। कृपा का द्वार बंद होने वाला है। क्या आप तैयार हैं?

मरानाथा — प्रभु आ रहे हैं।
ईश्वर हम सभी की मदद करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp